



जोहार  
भगवान बिरसा मुंडा  
की जयंती

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

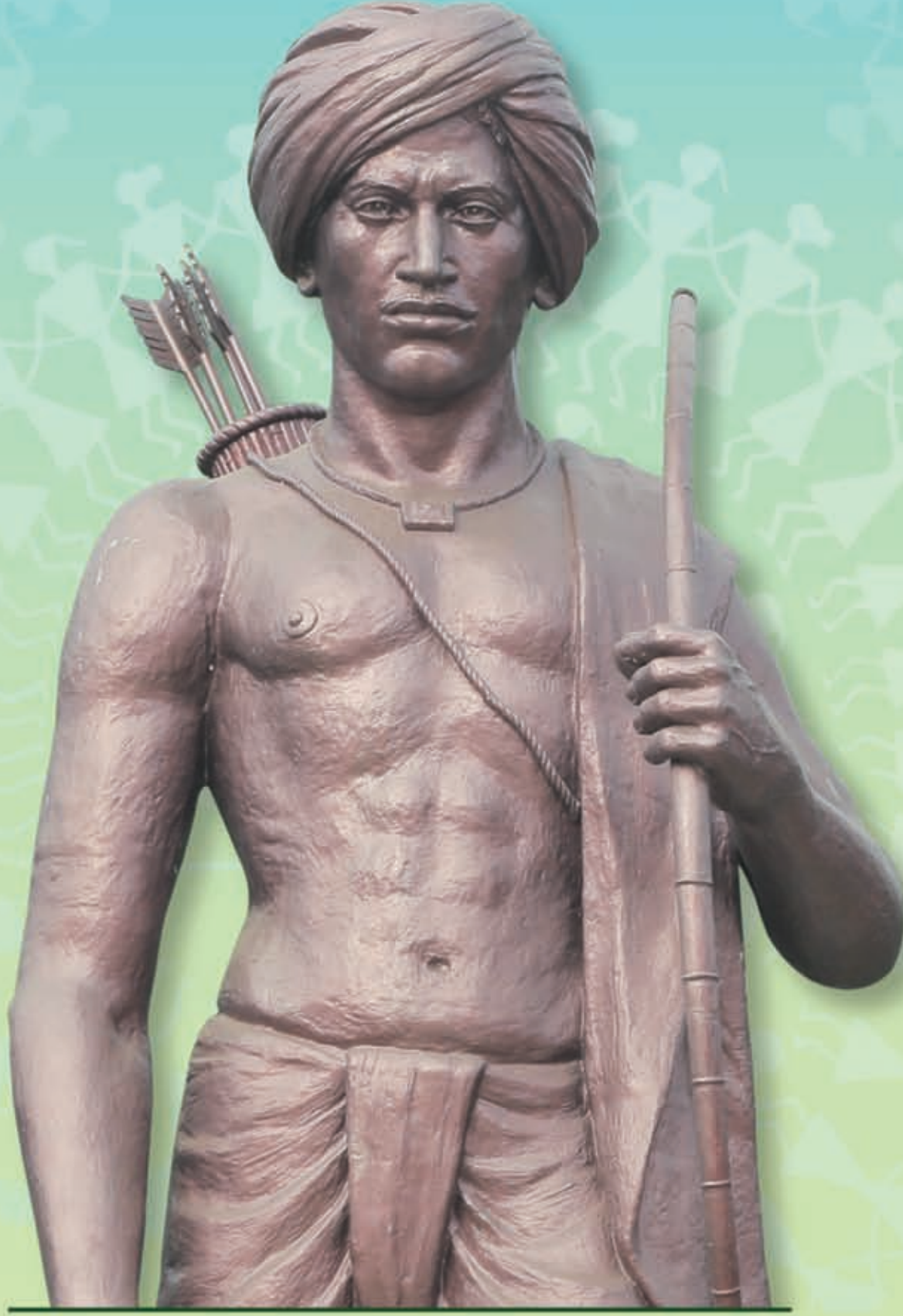
# खबर मन्त्र

सबकी बात सबके साथ

राज्य स्थापना  
दिवस



सत्यमेव जयते



धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती  
के शुभ अवसर पर

श्री नरेन्द्र मोदी

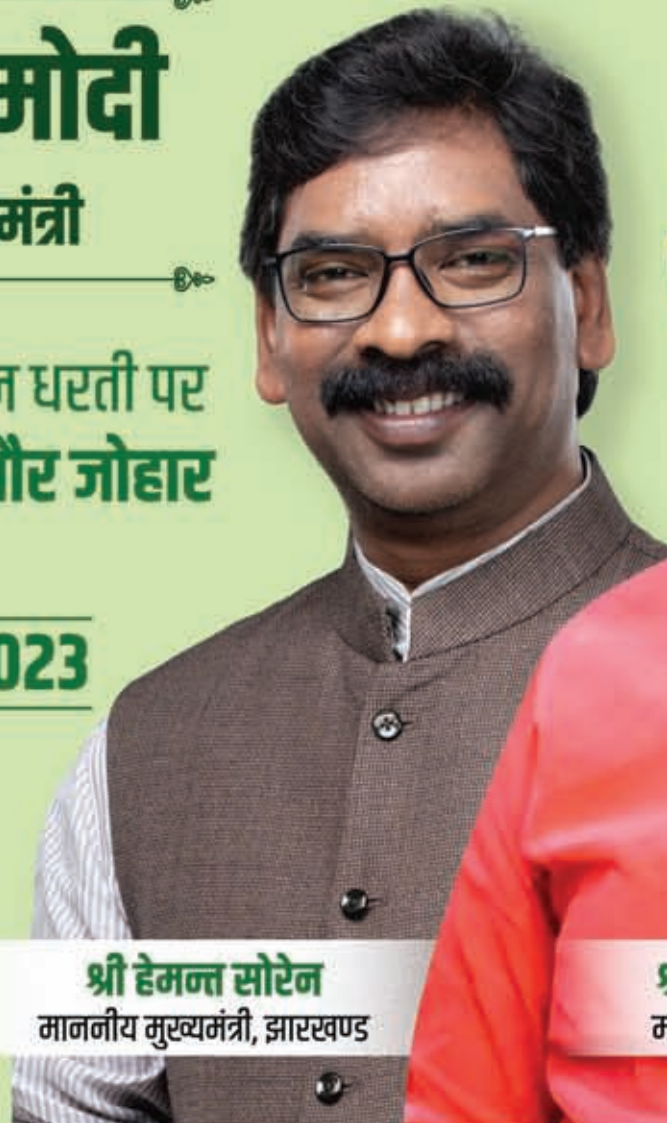
माननीय प्रधानमंत्री

का झारखण्ड की पावन धरती पर  
हार्दिक अभिनंदन और जोहार

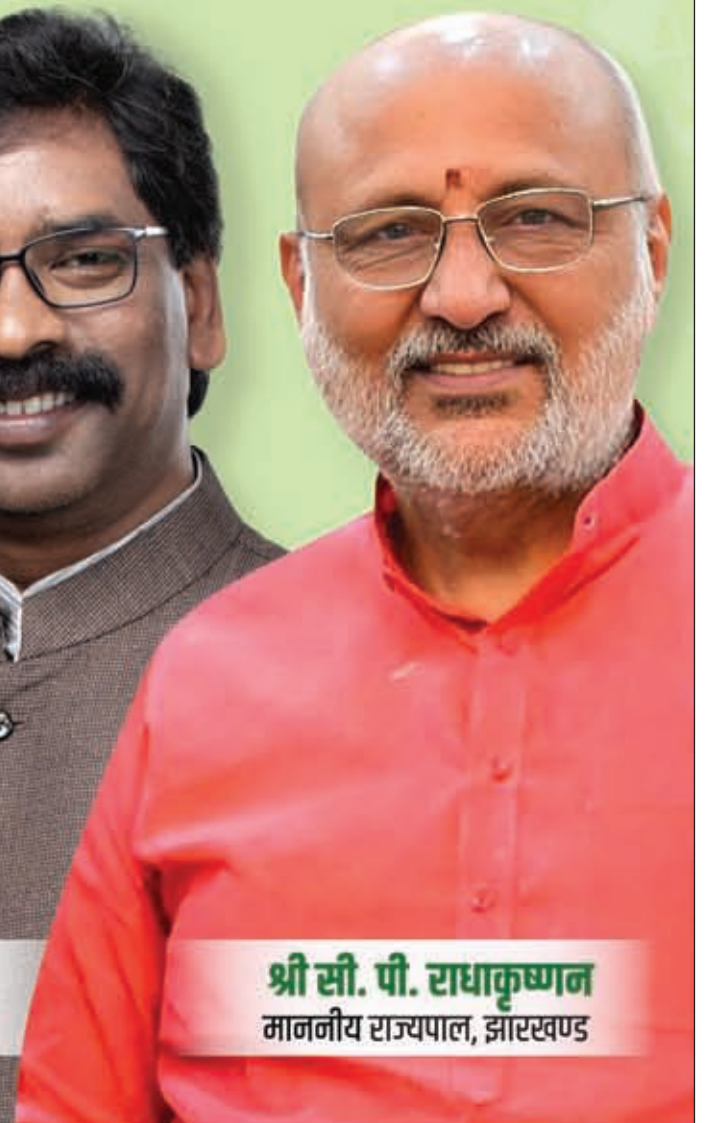
15 नवम्बर, 2023



श्री नरेन्द्र मोदी  
माननीय प्रधानमंत्री



श्री हेमन्त सोरेन  
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड



श्री सी. पी. राधाकृष्णन  
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड







जोहार  
भगवान बिरसा मुंडा  
की जयंती

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

# खबर मन्त्र

सबकी बात सबके साथ

राज्य स्थापना  
दिवस



## धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर राज्य स्थापना दिवस समारोह

झारखण्ड के अमर वीर शहीदों एवं आंदोलनकारियों  
के संघर्ष और शहादत को शत-शत नमन

दिनांक - 15 नवम्बर, 2023 | समय - अपराह्न 02:00 बजे से  
स्थान - मोरहाबादी मैदान, राँची

## जोहार

### समारोह के मुख्य बिंदु

- ₹1,714 करोड़ के कुल 229 योजनाओं का उद्घाटन
- ₹5,328 करोड़ के कुल 677 योजनाओं का शिलान्यास
- आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का शुभारंभ
- अबुआ आवास योजना और मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना का शुभारंभ
- रोजगार मेला के तहत 18,034 युवाओं को ऑफर लेटर वितरण
- सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत वर्ष 2023-24 में 5.5 लाख से अधिक किशोरियों को ₹261 करोड़ की सहायता राशि वितरण
- खेल प्रोत्साहन नीति के तहत 70 खिलाड़ियों को लगभग ₹2 करोड़ का नकद पुरस्कार वितरण
- ये पॉलिसी होंगे लॉन्च
  - झारखण्ड स्टार्टअप पॉलिसी 2023
  - झारखण्ड एम.एस.एम.ई प्रमोशन पॉलिसी 2023
  - झारखण्ड निर्यात पॉलिसी 2023
  - झारखण्ड आई.टी., डाटा सेंटर एवं बी.पी.ओ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी 2023



श्री सी. पी. राधाकृष्णन  
माननीय राज्यपाल, झारखण्ड



श्री हेमन्त सोरेन  
माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड





# जोहार : पुष्पवर्षा से पीएम का भव्य स्वागत

रोड शो के दौरान सड़कों पर गूंजता रहा मोदी... मोदी... का जयघोष बिरसा मुंडा की धरती पर 45 मिनट रहेंगे पीएम मोदी, देंगे कई सौगात

कड़ी सुरक्षा में पीएम मोदी का काफिला राजभवन पहुंचा

खबर मन्त्र टोली

रांची। धरती आबा बिरसा मुंडा को उनकी जयंती पर नमन करने पीएम मोदी झारखंड की दो विसीय यात्रा पर मंगलवार की रात करीब साढ़े नौ बजे विशेष विमान से बिरसा मुंडा एयरपोर्ट रांची पहुंचे। एयरपोर्ट पर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और सीएम हेमंत सोरेन ने पुष्पगुच्छ दे कर उनका स्वागत किया। रांची में पुष्पवर्षा और परंपरागत तरीकों से पीएम का जोरदार स्वागत

मोदी के स्वागत में उमड़ी राजधानी रांची

एयरपोर्ट से निकले मोदी की एक झलक पाने के लिए रांची की जनता बेताब थी। एयरपोर्ट रोड, हिन्दू रोड, अरगोड़ा चौक, हरमू रोड, भाजपा ऑफिस, रातू रोड से लेकर दैसे जगहों पर पीएम का स्वागत में लोगों का हुजूम इमड़ पड़ा। गुलाबी सर्द के बीच दीपों से लिखित मोदी के नाम भी जगह-जगह पर चमकते-दमकते नजर आये। अरगोड़ा चौक पर लोगों ने टॉर्च

किया गया। जगह-दगह महिलाएं आरती की थाल लिए पीएम के स्वागत में खड़ी थीं। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं में उमंग था। एयरपोर्ट से

मोदी की झलक पाने को बेताब दिख रहे थे लोग

जलाकर उनका स्वागत किया। कार से उतरकर उन्होंने लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। 15 नवंबर की सुबह पीएम रांची में भगवान बिरसा मुंडा स्मृति पार्क व सग्रहालय का दौरा करेंगे। इसके बिरसा मुंडा के गांव उलिहातू (खूंटी) रवाना होंगे।

पीएम मोदी का काफिला राजभवन पहुंचा। एयर पोर्ट से राजभवन तक सड़क की दोनों ओर खड़े लोगों का पीएम ने अभिवादन स्वीकार किया।



खूंटी में पीवीटीजी मिशन और विकसित भारत संकल्प यात्रा आज करेंगे लॉन्च

मंच पर बायीं ओर बैठेंगे हेमंत सोरेन, कड़िया मुंडा, बाबूलाल, नीलकंठ

पीएम मोदी के खूंटी दौरे को यादगार बनाने को लेकर खूंटी को बुलंद की तरह सजाया गया है। अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था की गयी है। खूंटी से 15 नवंबर को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती यानी 'जनजातीय गौरव दिवस' के मौके पर पीएम मोदी राज्य और राष्ट्र को कई योजनाओं की सौगात देंगे। समारोह में मंच पर पीएम की बायीं ओर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, पद्मभूषण कड़िया मुंडा, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और भाजपा विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा के बैठने की व्यवस्था है। वहीं दायीं ओर राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन, केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा, भाजपा विधायक कोचे मुंडा और झामुमो



विधायक विकास मुंडा बैठेंगे। हैलीपैड से कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर पीएम मोदी का पारंपरिक तरीके से स्वागत होगा। पीएम के मंच पर आने के बाद केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा 11.34 बजे स्वागत भाषण देंगे। (शेष पेज 11 पर)

राज्य स्थापना दिवस आज, झारखंड सज-धज कर तैयार नियुक्ति पत्र व कई योजनाओं की सौगात देंगे सीएम हेमंत



अधिकारियों संग समारोह स्थल का जायजा लेने पहुंचे सीएम हेमंत।

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड राज्य स्थापना दिवस को लेकर पूरा झारखंड सज-धज कर तैयार है। मुख्य कार्यक्रम राजधानी के मोरहाबादी मैदान में राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की मौजूदगी में अपराह्न दो बजे से शुरू होगा, जो करीब डेढ़ घंटे तक चलेगा। कार्यक्रम के दौरान राज्य सरकार के द्वारा स्थापना दिवस के मौके पर 1714.44 करोड़ रुपये की कुल 229 योजनाओं का उद्घाटन एवं 5328.30 करोड़ रुपये की कुल 677 योजनाओं का शिलान्यास होगा। राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं मंत्रिमण की उपस्थिति में आपकी योजनाएं, आपकी सरकार, आपके द्वार के तीसरे चरण का शुभारंभ होगा। नयी योजनाएं और पॉलिसी भी लांच होंगी। किशोरियों और युवाओं को सम्मान के साथ-साथ हुनरमंदों को आफर लेटर भी दिया जायेगा। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को पुरस्कार की राशि दी जायेगी। कई योजनाओं का शिलान्यास होगा।

18 हजार से अधिक युवाओं को ऑफर लेटर

राज्य स्थापना दिवस पर सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना के तहत वर्ष 2023-24 के लिए 5,55,652 किशोरियों को 261 करोड़ रुपये की सहायता राशि का वितरण किया जायेगा। अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले करीब 70 खिलाड़ियों के बीच करीब 02 करोड़ पुरस्कार राशि बँटेगी। कार्यक्रम स्थल में श्रम विभाग द्वारा आयोजित रोजगार मेला में 18,034 हजार से अधिक युवाओं को ऑफर लेटर राज्यपाल, मुख्यमंत्री और मंत्रिमण सौंपेंगे।

ये योजनाएं व पॉलिसी लांच होंगी : समारोह में राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री द्वारा लांच की जानेवाली योजनाओं और पॉलिसी में झारखंड स्टार्ट अप पॉलिसी 2023, झारखंड प्रमोशन पॉलिसी 2023, झारखंड निर्यात पॉलिसी 2023 और झारखंड आईटी, डाटा सेंटर तथा बीपीओ इन्वेस्टमेंट प्रमोशन पॉलिसी 2023 शामिल हैं। वहीं, अबुआ आवास योजना और मुख्यमंत्री ग्राम गाड़ी योजना प्रमुख हैं।

सीएम ने लिया समारोह स्थल का जायजा सीएम हेमंत सोरेन ने स्थापना दिवस पर मोरहाबादी मैदान में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह की तैयारियों का मंगलवार को जायजा लिया। साथ ही अधिकारियों को कई निर्देश दिये। सीएम ने कहा कि समारोह में शामिल होने वाले लोगों और लाभकों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो, इसका पूरा ध्यान रखें। निरीक्षण के दौरान सीएस सुखदेव सिंह, सीएम के प्रधान सचिव वंदना दादेल, सचिव विनय कुमार चौबे, मनीष रंजन, अमिताभ कोशल, राजेश शर्मा, मनोज कुमार, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के निदेशक राजीव लोचन बक्शी और डीसी व एसएसपी समेत कई अधिकारी मौजूद थे।

वाहवा आभूषण

खोना (बिक्री) : 57,400 रु./10 ग्राम  
वादी : 75,000 रु./पति किलो

तीसरी आंख

चुनावी वादे और घोषणाएं



पहला सेमीफाइनल आज न्यूजीलैंड से भिड़ेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 में अबतक अजेय रही टीम इंडिया पहले सेमीफाइनल में आज न्यूजीलैंड से भिड़ेगी। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में होने वाले इस मुकाबले को लेकर भारतीय खिलाड़ी पूरे जोश में हैं। टूर्नामेंट में भारत का प्रदर्शन रोमांचक रहा है। जहां भारतीय बल्लेबाजी उत्कृष्ट रही है, वहीं गेंदबाजों ने भी अपना काम बखूबी निभाया है। अपने ग्रुप-स्टेज के सभी नौ मैच जीतने वाली टीम इंडिया का लक्ष्य न्यूजीलैंड से 2019 में मिली हार का बदला लेना होगा। मेन इन ब्लू 1983 और 2011 में मिली पिछली जीत के बाद अपने संग्रह में इस साल तीसरी टूर्ना जोड़ने की स्थिति में मजबूती से खड़ी दिख रहे हैं।

## सभी हकदारों को कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने की मोदी सरकार की गारंटी

# प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा

### योजनाओं का शत-प्रतिशत कवरेज सुनिश्चित करने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा का

## भगवान बिरसा मुंडा की भूमि से हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ

देश के हर जिले और हर गांव-कस्बे तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने हेतु सरकार की पहल

साथ ही पीएम-किसान की 15वीं किस्त के तहत ₹18,000 करोड़ की सम्मान निधि का हस्तांतरण

8 करोड़ से अधिक किसानों को 15वीं किस्त के तहत मिल रही सम्मान निधि	पिछली 14 किस्तों में ₹2.61 लाख करोड़ की धनराशि किसानों के खाते में
---	--

### झारखंड में ₹7,200 करोड़ की लागत की विकास परियोजनाओं की सौगात

उद्घाटन / राष्ट्र को समर्पण	शिलान्यास
<ul style="list-style-type: none"> <li>झारखंड में रेलवे का 100% विद्युतीकरण ट्रेनों की गति में आगयी तेजी, कार्बन फुटप्रिंट में होगी कमी</li> <li>हटिया-पकरा सेक्शन, तलगरिया-बोकारो सेक्शन और जारंगडीह-पतरातू सेक्शन का दोहरीकरण वंदे भारत जैसी सेमी हाई स्पीड ट्रेनों का संचालन होगा संभव</li> <li>आईआईएम रांची का स्थायी परिसर, आईआईटी आईएसएम धनबाद का नया छात्रावास अत्याधुनिक वातावरण में अपनी प्रतिभा को निखारने का युवाओं को अवसर</li> <li>बोकारो में पेट्रोलियम ऑयल और लूब्रिकेंट (पीओएल) डिपो</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>एनएच-133 के महागामा- हंसडीहा खंड को फ़ोटो लेन करने की परियोजना खनिजों का तेज परिवहन होगा सुलभ; आदिवासी बहुल क्षेत्रों में प्रगति होगी सुनिश्चित</li> <li>एनएच-114A के बासुकीनाथ- देवघर खंड को फ़ोटो लेन करने की परियोजना बासुकीनाथ एव बैद्यनाथ धाम तक पहुंचेगी आसान</li> <li>केडीएच पूर्णडीह कोल हेंडलिंग प्लांट कोयले के परिवहन एव लोडिंग क्षमता में आगयी वृद्धि</li> <li>आईआईआईटी रांची का नया शैक्षणिक और प्रशासनिक भवन</li> </ul>

खूंटी, झारखंड 15 नवंबर, सुबह 11:15 बजे

#HamaraSankalpViksitBharat

यात्रा की अधिक जानकारी के लिए वयूआर कोड स्कैन करें

डीडी न्यूज़ पट देखिये कार्यक्रम का सीधा प्रसारण

आज झारखंड का स्थापना दिवस है। एक बड़ी राजनैतिक सफलता जिससे सामाजिक, सांस्कृतिक और भौगोलिक रूप से राज्य को फलने फूलने का अवसर प्रदान किया। राज्य एक युवा, कर्मठ और यशस्वी मुख्यमंत्री के निम्न है। इनके पास राजनीति की समृद्ध विरासत है और राजनीतिक स्थिरता भी। राज्य का चेहरा जब शांत, उदार और कर्तव्यनिष्ठ हो तो निश्चित तौर पर एक बड़ी उम्मीद बढ़ती है। राज्य धीरे-धीरे समृद्ध भी हो रहा है और प्रगति भी कर रहा है। लेकिन वर्तमान समय जिस प्रकार की मांग कर रहा है उस पर कड़ी मेहनत की आवश्यकता है। युवा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के पास अब एक परिपक्व प्रशासनिक अधिकारियों की टीम है, सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों की बेहतरीन समझ साथ ही उनके पास कुछ कर गुजरने की अदम्य इच्छाशक्ति भी है। राज्य निर्माण के दो दशक बाद अब राज्य के आधारभूत संरचना को तेजी से विकास हुआ है लेकिन समय की मांग है कि यह गति और तेज हो। राज्य के संसाधनों का उचित उपयोग के साथ राज्य के राजस्व में किसी प्रकार का लीकेज न हो यह आवश्यक है। आज का समय राज्यों के आत्मनिर्भर होने के लिये राज्य की अपनी आय और केन्द्र पर निर्भरता कम होना आवश्यक है। देश के विकसित राज्यों की बात करें तो वे लगातार अपने संसाधनों से आधारभूत संरचना का विकास कर रहे हैं जिससे निवेश और रोजगार की बड़ी संभावना बन रही है। आज बिहार जैसे पिछड़े राज्य का बजट दो लाख रुपये से अधिक हो गया है। निवेश के लिये पर्याप्त सक्रियता और कार्यपद्धति में विकास के साथ शिक्षा पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता शेष है जिसकी उम्मीद पूरी आबादी को आने वाले समय में है। राज्य का भविष्य कोयले के सहारे न चले हम ऊर्जा के श्रोत का विकास करें, शिक्षा और स्वास्थ्य के दिशा में तेज चलें।

## ग्रामीण व्यापार

भारत को प्राचीन समय में सोने की चिड़िया कहा जाता था। वैश्विक व्यापार एवं निर्यात में भारत का वर्चस्व था। पिछले लगभग 5000 सालों के बीच में ज्यादातर समय भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था रहा है। उस समय भारत में कृषि क्षेत्र में उत्पादकता अपने चरम पर थी एवं कृषि उत्पाद विशेष रूप से मसाले आदि भारत से लगभग पूरे विश्व में पहुंचाए जाते थे। भारत में ब्रिटिश एंपायर के आने के बाद (ईस्ट इंडिया कम्पनी- 1764 से 1857 तक एवं उसके बाद ब्रिटिश राज- 1858 से 1947 तक) विदेशी व्यापार में भारत का पराभव का दौर शुरू हुआ एवं स्वतंत्रता प्राप्ति तक एवं कुछ हद तक इसके बाद भी यह दौर जारी रहा है। आज भी देश में 60 प्रतिशत से अधिक आबादी ग्रामों में निवास करती है और अपने रोजगार के लिए मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र पर ही निर्भर है। भारत अभी भी कृषि प्रधान देश ही कहा जाता है परंतु फिर भी भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का हिस्सा लगभग मात्र 16-18 प्रतिशत है। कृषि जनगणना 2015-16 के अनुसार, भारत में लघु एवं सीमांत किसानों की संख्या 12.563 करोड़ है। देश में 35 प्रतिशत किसानों के पास 0.4 हेक्टेयर से कम जमीन है। जबकि, 69 प्रतिशत किसानों के पास 1 हेक्टेयर से कम जमीन है और 87 प्रतिशत किसानों के पास 2 हेक्टेयर से कम जमीन है। आमदनी के लिहाज से 0.4 हेक्टेयर से कम जमीन वाले किसान औसतन सालाना रूपए 8,000 कमाते हैं और 1 से 2 हेक्टेयर के बीच जमीन वाले किसान औसतन सालाना रूपए 50,000 कमाते हैं। देश में लघु और सीमांत किसानों की न केवल आय कम है, बल्कि इनके लिए कृषि एक जोखिम भरा कार्य भी है। इसके चलते ग्रामों में प्रति व्यक्ति आय बहुत ही कम है इस कारण गरीबी की मात्रा भी शहरों की तुलना में ग्रामों में अधिक दिखाई देती है।

## श्रेष्ठ आचरण



### स्वामी सत्यानंदजी परमहंस

चित्रकूट में भरत के आगमन पर लक्ष्मण क्रोध में थे। राम ने कहा उसमें युद्ध की कौन सी बात है? लक्ष्मण बोले भरत जी सेना सहित आ रहे हैं और उनका मन दूषित हो गया है। शायद सेना सहित इसलिये आ रहे हैं कि राम को जंगल में खत कर दू ताकि चौदह वर्ष के वनवास के बाद ये पुनः न लौट सके। श्री राम ने लक्ष्मण को डांटा- तुम मेरे भरत को नहीं जानते हो। संसार में असंभव भी संभव हो जाए, कुछ भी हो जाए लेकिन भरत के अंदर कभी भी अहंकार और द्वेष की भावना नहीं घुस सकती। अयोध्या का राज तो बहुत छोटा है अमर ब्रह्मा विष्णु और महेश तीनों भरत को मिल जाए फिर भी उन्हें राममद नहीं हो सकता है। मैं अपने

भरत को इतना जानता हूँ। उनको आने दीजिए। जब भरत जी आए हैं तो राम के सम्मुख जैसे लाठी गिरायी जाती है वैसे दंड की तरह वे धरती पर गिर गये। हाथ जोड़कर खड़े हो गये बोले प्रभु मैं अपराधी हूँ। मेरे कारण ही सारा कांड हो गया। पिता की मृत्यु हो गयी। आपको जंगल आना पड़ा। सबका कारण मैं ही हूँ। श्री राम ने कहा भरत जी आप निर्दोष हैं। जो कुछ होना था वह हुआ। जब श्रीराम भरत से बात कर रहे थे तब लक्ष्मण की स्थिति देखने लायक थी। न वे आकर मिल ही पा रहे थे और न ही वे वहां से हट ही पा रहे थे। भरत मुनि के साथ विशिष्ट मुनि भी थे और अनेक लोग थे। जंगल में रहने वाले वनवासी भी वहां थे। (ब्रह्म विद्यालय सह आश्रम)

बार-बार बात होती है कि 1932 के खतियान के आधार पर स्थानीयता का निर्धारण हो। इसे लागू करना संभव भी है। पर हम ये न भूलें कि झारखंड के हर क्षेत्र में खतियानों रिकॉर्ड के साथ काफी हेरफेर हुआ है और कई जगहों से पन्ने भी गायब हैं इनका क्या होगा जिनके नाम नहीं, गायब हो गए या कर दिए गए? - महेश पौद्दार, सांसद

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना गरीबों को 5 लाख तक के मुफ्त इलाज की संजीवनी दे रही है। कोडरमा जिले में 17, हजारीबाग जिले में 42 और गिरिडीह जिले में 31 अस्पताल आयुष्मान भारत के तहत सूचीबद्ध हैं। -अरपूर्णा देवी

### आपके ट्वीट



यह धरा सत्य से ही प्रतिष्ठित है सत्याचरण की फलश्रुति स्वयं सत्य नारायण हैं। वस्तुतः जीवन रूपी वृक्ष का मूल भी सत्याचरण और सदाचार ही है आचरण जितना शुद्ध-परिष्कृत होगा सद्प्रवृत्तियां उतनी ही फलीभूत होंगी। -स्वामी अवधेशानंद गिरी

## भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ने को तैयार हो युवा झारखंड

**वावूलात मंडली**  
झारखंड आज 23वर्ष का युवा प्रदेश हो गया। ऐसा युवा जिसमें असीम ताकत हो, असीम संभावनाएं हों, जिसे अकूत संपत्ति का खजाना मिला हो, जिसे प्रकृति ने अपने हाथों से सौंदर्य दिए हों। जो हां ऐसा ही झारखंड जहां के लोग बोलते हैं तो गीत बन जाता है, चलते हैं तो संगीत बन जाता है। अमर शहीद धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा, सिंदो कान्हू, चांद भैरव, फूलो ज्ञानो, तिलका मांडवी, नीलांबर पीतांबर, जतरा टाना भगत, बुधु भगत जैसे हुतात्माओं की प्रेरणा से ओत प्रोत यह धरती आज भी कोख में अमीरी और गोद

में गरीबी की कहावत को चरितार्थ कर रही है। अलग झारखंड के पहले अर्थात् 15नवंबर 2000के पूर्व झारखंड की जनता ने क्षेत्रीय विसमताओं का दंश झेला जिसके कारण अलग राज्य की मांग उठी थी लेकिन झारखंड बनने के बाद यदि 23वर्षों में भी झारखंड विकास के निर्धारित लक्ष्य को नहीं पा सका, गरीबी नहीं मिटी, आज भी लोग भोजन वस्त्र आवास के बिना जीने को मजबूर हैं तो शासक वर्ग के नीति और नीयत पर प्रश्न खड़ा करना राज्य की जनता का बुनियादी हक है। कहा जाता है कि जिस ओर जवानों जाती है उस ओर जमाना चलता है। इसलिए राज्य की युवा शक्ति जिसकी आबादी एक करोड़ के करीब होगी को राज्य की दशा और दिशा पर अवश्य सोचना चाहिए।

**स्थापना दिवस**  
आज प्रदेश में वैसी युवा शक्ति है जिनका जन्म संयुक्त बिहार में हुआ है और वैसी युवा भी है जिनका जन्म झारखंड में हुआ। दोनों के पास अनुभव है राजनीतिक, सामाजिक सोच है। बेरोजगारी से लड़ने की संघर्ष शक्ति है, उन्हें पता है कि 23वर्षों में किसकी सरकार ने राज्य को विकास के पायदान पर ऊपर पहुंचाया और किसने अपने परिवार, पैसे के लिए काम किए। आज की दिन दलीय कमियों को गिाने का नहीं है लेकिन एक बार मन में सही गंभीर समीक्षा करने की जरूरत है। चाहे अलग राज्य के गठन की बात हो या फिर सड़क, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा, पानी

सिंचाई, कृषि क्षेत्र में राज्य को आगे बढ़ाया और किसने राज्य को जमीन लूट, खान खनिज की लूट, पत्थर, कोयले की लूट में झोंक दिया। जल, जंगल, जमीन, आदिवासी समाज के उत्थान, युवाओं के रोजगार पर जनता से वोट मांगना आसान होता है परंतु नीति और नीयत के अभाव में उसे जमीन पर उतारना बहुत कठिन होता है। 23वर्षों के युवा झारखंड का आधा समय इसी झूठ फरेब ने बर्बाद कर दिया। काम करने वाली सरकारें जिनकी नियत नीति दोनों साफ रही उनके खिलाफ झूठ का तूफान खड़ा किया गया। लेकिन अब जिम्मेवार उम्र में झारखंड पहुंच गया। यह उम्र परिवार की जिम्मेवारी संभालने का उम्र है। और इस काल में हुई चूक या भटकाव जीवन को कठों में झोंकने जैसा है। आज का दिन स्वर्णाक्षरों

में अंकित दिन है। भगवान बिरसा मुंडा जैसे महान विभूति को ईश्वर ने झारखंड की धरती पर जन्म दिया। श्रद्धेय अदल जी की सरकार ने जन भावनाओं के अनुरूप राज्य का गठन भी आज के दिन ही किया। और अब तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 15नवंबर को जनजाति गौरव दिवस घोषित कर न सिर्फ जनजाति समाज का सम्मान बढ़ाया बल्कि पूरे विश्व में झारखंड को नई पहचान दी, महिमा मंडित किया। मैं समस्त झारखंड वासियों को ऐसे महान दिन पर नमन करते हुए शुभकामनाएं देता हूँ। साथ ही युवा शक्ति से राज्य को भ्रष्टाचार के दलदल से निकाल कर विकसित झारखंड बनाने के लिए संकल्पित होने का आह्वान करता हूँ। (भाजपा अध्यक्ष झारखंड प्रांत)

## झारखंड का आईटी हब बनने की दिशा में पिछड़ गया

**सुधांशु कुमार**  
ईश्वर ने झारखंड को खूबसूरत बेशुमार नेमतों से नवाजा है। सौभाग्य से राज्य के सीएम हेमंत सोरेन युवा और ऊर्जावान है। परंतु झारखंड में विधापन और पलायन एक बड़ी समस्या है। इस दिशा में सूचना एवं प्रौद्योगिकी का क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। वर्तमान समय में आईटी क्षेत्र रोजगार देने में सबसे अधिक सक्षम है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 5.19 प्रतिशत आईटीका योगदान है। देश में 46 लाख से अधिक लोग आईटी सेक्टर में कार्य करते हैं। भारत में वर्तमान समय में बंगलुरु विश्व में

**विशेष**  
उत्तरप्रदेश के बाद देश में सबसे अधिक युवा आबादी वाला तीसरा राज्य है। झारखंड में 25 वर्ष की युवाओं की जनसंख्या 46.9 प्रतिशत है। राज्य में बेरोजगार युवाओं की जनसंख्या साढ़े आठ लाख से अधिक है। बहुत सारे योग्य युवा दूसरे राज्य में जाकर नौकरी करते हैं। रोजगार के लिए राज्य से एक बड़ी आबादी पलायन करती है। यदि राज्य सरकार आईटी के क्षेत्र में ध्यान दे तो एक बड़ी समस्या का समाधान हो सकता है। एक आईटी कम्पनी स्थापित होती है तो उसमें 3 से 5 हजार लोगों रोजगार मिलते हैं। ऐसे में यदि झारखंड में देशी-विदेशी आईटी

कम्पनियों की स्थापना कर दी जाये तो राज्य की एक बड़ी युवा आबादी को रोजगार मिल जायेगी। राज्य सरकार यदि ध्यान दे तो राज्य से बेरोजगारी को दूर करने में आईटी क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है। राज्य के बहुत सारे ऐसे शहर हैं, जहाँ आईटी कम्पनियों को स्थापित किया जा सकता है। राँची, दुमका, धनबाद, साहेबगंज, हजारीबाग, चतरा आदि शहरों का उपयोग आईटी के लिए सार्थक साबित हो सकता है। राज्य एक रिपोर्ट के अनुसार पहले स्थान पर है। यदि राज्य में आईटी कंपनियों की स्थापना होगी तो साइबर अपराध के मामलों भी कम होंगे। बहुत सारे साइबर अपराध में संलग्न युवा

आईटी से जुड़कर सही काम कर राज्य को विकास के पथ पर अग्रसर कर सकते हैं। नौजवानों को आईटी की ट्रेनिंग देकर उनका उपयोग किया जा सकता है। इस क्षेत्र में विशेष डिग्री प्राप्त कर दूसरे राज्य एवं विदेश में कार्य कर रहे युवाओं को यहाँ रोजा जा सकता है। इंजीनियरिंग कॉलेजों की स्थापना करनी होगी। भारत में आईटी सेक्टर युवाओं को रोजगार देने में सबसे आगे है। अर्थव्यवस्था की मजबूती के कारण यह क्षेत्र तेजी से उंचाईयों की ओर बढ़ रहा है। आईटी कंपनियों को स्थापित करने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है क्योंकि यहाँ जमीन अधिग्रहण एक बड़ी समस्या है। बड़ी कंपनियों को आमंत्रित करना ही होगा।

**संस्थापक**  
स्व. डॉ. अभय कुमार सिंह  
वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए  
**मुद्रक, प्रकाशक**  
**मंजू सिंह**  
द्वारा चिरौंदा, बोड़ैया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।  
**संपादक**  
**अविनाश ठाकुर\***  
फोन : 95708-48433  
पिन: -834006  
e-mail: Khabarmantra.city@gmail.com  
R.N.J.No. JHAHM/2013/51797  
\*पीआरवी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।





## 150 जनजातियों के 2500 से अधिक लोगों का हुआ जुटान, संवाद आज से

संवाद का 10वां संस्करण 15 नवंबर को गोपाल मैदान में शुरू हो रहा टाटा स्टील के एमडी एवं सीडिओ टीवी नरेंद्रन और निदेशकजन भी रहेंगे मौजूद

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। टाटा स्टील फाउंडेशन द्वारा समर्थित



जनजातीय संस्कृति पर सबसे बड़े पारिस्थितिकी तंत्रों में से एक संवाद

ने अपने दसवें संस्करण की घोषणा की है, जो 15 नवंबर से गोपाल मैदान में शुरू होगा। 351 नगाड़ों, ढोल और संगीत वाद्ययंत्रों की पारंपरिक धुन के साथ मनाया जाने वाला यह दिन झारखंड के प्रतिष्ठित आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी बिरसा मुंडा की जयंती भी मनाता है। उक्त

जानकारी टाटा स्टील फाउंडेशन के सीडिओ सीरव राय ने संवाददाता सम्मेलन में दी। इस अवसर पर जीरेन टोपनो भी मौजूद थे। राय ने बताया कि संवाद 2023 की थीम है-मेरे साथ चलो-भारत की जनजातियों के बीच विचारों, व्यक्तियों और सामूहिकता की

यात्रा को पहचानता है। यह थीम पिछले दशक में संवाद सम्मेलन में होने वाली बातचीत और संवादों से जुड़ा हुआ है, कि वे साझा ज्ञान, विचारों के आदान-प्रदान और आत्म-शिक्षा के साथ आने वाली चुनौतियों को हल करने के लिए कैसे तैयार हैं।

## गोड़ा में अदाणी पावर प्लांट : संताल परगना में विकास का प्रतीक



गोड़ा में अदाणी पावर प्लांट अदाणी पावर लिमिटेड द्वारा स्थापित एक अत्याधुनिक कोयला आधारित बिजली संयंत्र है। 1600 मेगावाट की स्थापित क्षमता के साथ, यह इस क्षेत्र के सबसे बड़े बिजली संयंत्रों में से एक है। संयंत्र उन्नत प्रौद्योगिकी का उपयोग करता है और कड़े पर्यावरण मानकों का पालन करता है।

## बुनियादी ढांचे का विकास:

अदाणी पावर प्लांट की स्थापना से इस क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे का विकास हुआ है।

इसमें सड़कों, परिवहन नेटवर्क और बिजली परियोजनाओं का निर्माण शामिल है, जो न केवल बिजली संयंत्र के संचालन का समर्थन करते हैं बल्कि क्षेत्र में समय-कनेक्टिविटी और पहुंच की सुविधा भी प्रदान करते हैं।

## आर्थिक प्रभाव:

अदाणी पावर प्लांट की स्थापना ने इस क्षेत्र में पर्याप्त निवेश आकर्षित किया है, जो संताल परगना के आर्थिक विकास में योगदान देता है। परियोजना ने स्थानीय व्यवसायों, ठेकेदारों और आपूर्तिकर्ताओं के लिए अवसर प्रदान किए हैं।

## नौजवानों के लिए रोजगार का अवसर:

बिजली संयंत्र ने स्थानीय आबादी के लिए प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के अवसर पैदा किए हैं। इससे बेरोजगारी की दर कम हुई है, आय के स्तर में वृद्धि हुई है, और कई परिवारों के जीवन स्तर में सुधार हुआ है।

## सामाजिक विकास के लिए कृत संकल्प शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार:

अदाणी पावर ने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा पर केंद्रित कई कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम शुरू किए हैं। इन पहलों ने आसपास के समुदायों में शैक्षिक सुविधाओं, छात्रवृत्ति और स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे में सुधार करने में योगदान दिया है।

## कौशल विकास पर सर्वाधिक जोर:

बिजली संयंत्र ने स्थानीय युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने के लिए कौशल विकास कार्यक्रमों, व्यावसायिक प्रशिक्षण और रोजगारोन्मुख पहलों की सुविधा प्रदान की है। इसने समुदाय की एक स्थायी आजीविका के लिए आवश्यक कौशल के साथ सशक्त बनाया है।

## न्यूनतम पर्यावरणीय प्रभाव:

गोड़ा में अदाणी पावर प्लांट अपने पर्यावरण पदचिह्न को कम करने के लिए उन्नत तकनीकों को शामिल करता है। संयंत्र आधुनिक प्रदूषण नियंत्रण प्रणाली, धूल दमन तंत्र और कुशल जल प्रबंधन प्रथाओं जैसे उपायों को नियोजित करता है। यह पर्यावरणीय नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करता है, जिससे स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रभाव कम होता है।

## सामुदायिक विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता:

अदाणी पावर लिमिटेड सामुदायिक विकास कार्यक्रमों के माध्यम से स्थानीय समुदाय के साथ सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है। स्थानीय निवासियों के साथ नियमित

बातचीत और समुदाय संचालित पहलों में शामिल होने से बिजली संयंत्र और स्थानीय आबादी के बीच सकारात्मक संबंध को बढ़ावा मिलता है।



## संताल परगना क्षेत्र में विकास के एक प्रमुख प्रतीक:

अदाणी पावर प्लांट संताल परगना क्षेत्र में विकास के एक प्रमुख प्रतीक के रूप में उभरा है। इसकी स्थापना से क्षेत्र में महत्वपूर्ण आर्थिक विकास, रोजगार के अवसर, बुनियादी ढांचे के विकास और सामाजिक कल्याण की पहल हुई है। पर्यावरणीय स्थिरता और सामुदायिक जुड़ाव के लिए बिजली संयंत्र की प्रतिबद्धता इस क्षेत्र पर इसके सकारात्मक प्रभाव को और बढ़ाती है।



Growth with Goodness

adani Power

/AdaniOnline | www.adani.com

## डीसी व एसएसपी ने किया छठ घाटों का निरीक्षण

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। महापर्व छठ पूजा को लेकर प्रशासनिक तैयारियों का जायजा लेने के उद्देश्य से उपायुक्त मंजुनाथ भजन्त्री एवं एसएसपी किशोर कौशल द्वारा शहरी क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न छठ घाटों का निरीक्षण किया गया। मौके पर उप विकास आयुक्त मनीष कुमार, एसडीएम धालभूम पीयूष सिन्हा,



अपर उपायुक्त जयदीप तिग्गा, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर राजीव रंजन, डीसीएलआर रविन्द्र गागराई, उप नगर आयुक्त जेएनएससी, जुस्को के प्रतिनिधि समेत अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

## 19 नवंबर को सूर्यधाम में भक्ति की गंगा बहायेंगी निशा पांडेय और ममता राउत

जमशेदपुर। सूर्य मंदिर समिति द्वारा चार दिवसीय छठ महोत्सव की रूपरेखा तय करने के उद्देश्य से मंदिर समिति की महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को सिदगोड़ा सूर्य मंदिर समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित छठ महोत्सव प्रभारियों की बैठक में सूर्य मंदिर समिति के संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह समेत तमाम पदाधिकारी मुख्यरूप से शामिल हुए। बैठक में छठ महोत्सव पर होने वाले सांस्कृतिक संध्या एवं छठ महोत्सव को धूमधाम एवं सुचारु रूप से संचालित करने का निर्णय लिया गया। भूपेंद्र सिंह ने बताया कि छठ महोत्सव को लेकर सूर्य मंदिर समिति सभी पहलुओं पर व्यापक तैयारी कर ली है छठ पूजा में मंदिर परिसर के दोनों छठ घाटों की सुंदर साफ-सफाई, पूरे मंदिर परिसर की पुष्प सज्जा, मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र में आकर्षक विद्युत सज्जा के साथ भव्य सांस्कृतिक संध्या का आयोजन के लिए पूर्ण रूप से तैयार है। कार्यक्रम में लोकगायिका निशा पांडेय, सुर संग्राम की विजेता ममता राउत एवं स्थानीय कलाकार की प्रस्तुति 19 नवंबर संध्या 7 बजे से होगी। जिसके लिए आमंत्रण पत्र के माध्यम से लोगों को आमंत्रित किया जा रहा है। वहीं, प्रभारी कमलेश सिंह ने छठ महोत्सव के तहत छठ पूजा में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी सूर्य मंदिर समिति की ओर से दिनांक 18 को सुबह 11 बजे से मंदिर परिसर में 1100 जरूरतमंद व्रतधारियों को निःशुल्क पूजन सामग्री भेंट की जाएगी।

झारखण्ड राज्य ग्रामीण बैंक, प्रधान कार्यालय, राँची

JRGBank

झारखण्ड का अपना बैंक

धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जयंती एवं झारखण्ड राज्य स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर सभी झारखण्ड वासियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं जोहार!

मदन मोहन बरियार  
अध्यक्ष

न्यूनतम ब्याज दर सरल प्रक्रिया

आज ही अपने नजदीकी शाखा से संपर्क करें

पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना

# झारखण्ड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

एनटीपीसी लिमिटेड (भारत सरकार का उद्यम)

पकरी बरवाडीह कोयला खनन परियोजना, बड़कागांव, हजारीबाग

झारखण्ड स्थापना दिवस 2023

खबर मन्त्र परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं

झारखण्ड स्थापना दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

**PATEL B.Ed. COLLEGE**  
Recognised by ERC-NCTE & Affiliated to Ranchi University, Ranchi  
Vill.-Katamkuku, P.O.- Lodhma, P.S.- Karra, Distt.-Khunti-834004, Jharkhand  
Contact No.: 0651-2253662, 9835088161  
Web: www.patelbedcollege.com | Email: patelbedcollegelodhma@gmail.com

Course Offered : B.Ed

FACILITIES

- Well Equipped Labs
- Library
- Smart Class
- Scholarship
- Fee in Installment
- Bus Facility
- Online Classes
- Video Lectures and Preparation for CTET etc.

Sangeeta Kumari  
Secretary

City Office : Behind Kumar Pharma, 2nd Floor, Main Road, Hinoo Chowk, Ranchi-834002





झारखंड स्थापना दिवस पर समस्त  
झारखंड वासियों को बधाई व  
शुभकामनाएं**संजय महतो**प्रदेश अध्यक्ष, झारखंड प्रदेश  
प्राथमिक शिक्षक संघझारखंड स्थापना दिवस पर समस्त  
झारखंड वासियों को बधाई व  
शुभकामनाएं**दीनबन्धु स्वांसी**मीडिया प्रभारी सह प्रखंड  
उपाध्यक्ष, तमाड़ कांग्रेसझारखंड स्थापना दिवस पर समस्त  
झारखंड वासियों को बधाई व  
शुभकामनाएं**ललित सिंह मुंडा**समाजसेवी सह पंचपरगना  
आदिवासी समाज, तमाड़झारखंड स्थापना दिवस पर समस्त  
झारखंड वासियों को बधाई व  
शुभकामनाएं**ब्रह्मानंद सिंह**मुखिया परासी पंचायत, प्रखंड  
तमाड़ सह मुखिया संघ अध्यक्षझारखंड स्थापना दिवस पर समस्त  
झारखंड वासियों को बधाई व  
शुभकामनाएं**अनिता देवी**मुखिया पेड़ाईडीह पंचायत,  
प्रखंड तमाड़झारखंड स्थापना दिवस पर समस्त  
झारखंड वासियों को बधाई व  
शुभकामनाएं**रंभा देवी**मुखिया जारगो पंचायत, प्रखंड  
तमाड़, प्रतिनिधि रवि पातरझारखंड स्थापना दिवस पर समस्त  
झारखंड वासियों को बधाई व  
शुभकामनाएं**हरीशचंद्र मुंडा**मुखिया आमलेशा पंचायत,  
प्रखंड तमाड़जिला स्थापना दिवस सह छठ पर्व की  
समस्त जिला वासियों को हार्दिक बधाई

निवेदक

**जिला खनन परिवार,  
गुमला ।**झारखंड राज्य स्थापना दिवस पर चैनपुर  
प्रखंडवासियों, झामुमो नेताओं  
कार्यकर्ताओं समेत समस्त झारखंड  
वासियों को मंगलमय शुभकामनायें**कमरुद्दीन अंसारी**प्रखंड अध्यक्ष झारखण्ड मुक्ति मोर्चा  
चैनपुर पलामू ।झारखंड स्थापना दिवस पर समस्त  
झारखंड वासियों को बधाई व शुभकामनाएं**राजकिशोर कुशवाहा**

आजस् पार्टी, वरीय उपाध्यक्ष रांची

झारखंड स्थापना दिवस पर समस्त  
झारखंड वासियों को बधाई व शुभकामनाएं**लक्ष्मण सिंह मुंडा**

सांसद प्रतिनिधि, तमाड़

झारखंड स्थापना दिवस पर समस्त  
झारखंड वासियों को बधाई व शुभकामनाएं**ब्रह्मेश्वर महतो**

विधायक प्रतिनिधि तमाड़

झारखंड स्थापना दिवस पर समस्त  
झारखंड वासियों को बधाई व शुभकामनाएं**जगदीश गुप्ता**

आजस् तमाड़ प्रखंड अध्यक्ष

जिला स्थापना दिवस पर समस्त जिला  
वासियों को हार्दिक बधाई

निवेदक

**प्रखंड कार्यालय परिवार,  
गुमला ।**जिला स्थापना दिवस सह छठ पर्व की  
समस्त जिला वासियों को हार्दिक बधाई

निवेदक

**मो. मीर मेराज**

सामाजिक कार्यकर्ता, गुमला ।

जिला स्थापना दिवस सह छठ पर्व की  
समस्त जिला वासियों को हार्दिक बधाई

निवेदक

**हरीश कुमार**

अंचलाधिकारी, सदर प्रखंड, गुमला ।

जिला स्थापना दिवस सह छठ पर्व की  
समस्त जिला वासियों को हार्दिक बधाई

निवेदक

**श्याम बिहारी यादव**

सामाजिक कार्यकर्ता, गुमला ।

जिला स्थापना दिवस सह छठ पर्व की समस्त जिला  
वासियों को हार्दिक बधाई**शिशिर कुमार सिंह**

बीडीओ, चैनपुर

**शोभा देवी**

मुखिया, चैनपुर प्रखंड

**मेरी लकड़ा**

जिप सदस्य, चैनपुर, प्रखंड ।

जिला स्थापना दिवस सह छठ पर्व की  
समस्त जिला वासियों को हार्दिक बधाई

निवेदक

**शंकर राम**प्रखंड कृषि पदाधिकारी गुमला व अध्यक्ष जिला  
वैडमिंटन एसोसिएशन, गुमला ।जिला स्थापना दिवस सह छठ पर्व की  
समस्त जिला वासियों को हार्दिक बधाई

निवेदक

**रेशमा प्रवीण**

रोजगार सेवक, केपुर पंचायत, रायडीह प्रखंड

जिला स्थापना दिवस सह छठ पर्व की  
समस्त जिला वासियों को हार्दिक बधाई

निवेदक

**संयुक्ता देवी**

उपाध्यक्ष जिला परिषद, गुमला ।

जिला स्थापना दिवस की समस्त  
जिला वासियों को हार्दिक बधाई

निवेदक

**सुशील कांडीर**

प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, गुमला ।

जिला स्थापना दिवस सह छठ पर्व की  
समस्त जिला वासियों को हार्दिक बधाई

निवेदक

**अनमोल कुमार गुप्ता**

अध्यक्ष रोटररी क्लब, गुमला ।

जिला स्थापना दिवस सह छठ पर्व की  
समस्त जिला वासियों को हार्दिक बधाई

निवेदक

**संजीव कुमार गुप्ता**निदेशक आवसपोर्ट पब्लिक स्कूल, पालकोट रोड,  
गुमला ।

खूँटी चले

**जनजाति गौरव दिवस**

के अवसर पर  
**विशाल जनसभा**

स्थान - बिरसा स्टेडियम खूँटी

15 नवंबर 2023, समय - 11 बजे

श्री मंगल सिंह थोमला  
सहप्रभारी पाठशाला किसान गीर्वा  
दक्षिण छोट्टा नामपुर प्रमंडल झारखंड

लक्ष्मण बड़ाइक  
जिला अध्यक्ष मिथेरा

बिरो राम  
भाजपा किसान मोर्चा  
जिला अध्यक्ष मिथेरा

खूँटी चले

जनजातीय गौरव दिवस सह जिला स्थापना दिवस और  
छठ पर्व की समस्त जिलावासियों को हार्दिक बधाई

निवेदक

**सुदर्शन भगत**

सांसद, लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र, गुमला ।

**भोला चौधरी**

सांसद प्रतिनिधि, गुमला ।

जिला स्थापना दिवस सह छठ पर्व की  
समस्त जिला वासियों को हार्दिक बधाई

निवेदक

**रोहित खंडेलवाल**मीडिया प्रभारी मारवाड़ी युवा मंच सह बजरंग दल,  
गुमला ।जिला स्थापना दिवस सह छठ पर्व की  
समस्त जिला वासियों को हार्दिक बधाई

निवेदक

**शैल मिश्रा**वार्ड आयुक्त सह पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा महिला  
मोर्चा, गुमला ।जिला स्थापना दिवस सह बिरसा मुंडा जयंती  
की समस्त जिला वासियों को हार्दिक बधाई

निवेदक

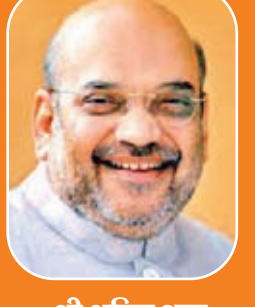
**हेमंत कुमार**निदेशक, सांता पब्लिक स्कूल शास्त्री नगर,  
गुमला ।



जय झारखंड

जय भारत

धरती आबा बिरसा मुंडा की  
धरती पर पीएम नमो का  
हार्दिक स्वागत एवं जोहार

श्री नरेन्द्र मोदी  
प्रधानमंत्रीश्री बाबूलाल मरांडी  
प्रदेश अध्यक्ष, भाजपाश्री अमित शाह  
गृह मंत्री

निवेदक

भाजपा, अनुसूचित जाति मोर्चा झारखंड प्रदेश, रांची

श्री बाबूलाल मरांडी  
प्रदेश अध्यक्ष, भाजपाडॉ. आशा लकड़ा  
राष्ट्रीय मंत्री, भाजपा

धरती आबा बिरसा मुंडा की  
धरती पर पीएम नमो का  
हार्दिक स्वागत एवं जोहार



**ललित नारायण ओझा**

प्रदेश महामंत्री, भाजपा किसान मोर्चा  
केन्द्रीय अध्यक्ष, झारखंड जनशक्ति मजदूर यूनियन



**प्रदीप वर्मा**

प्रदेश महामंत्री  
झारखण्ड प्रदेश, भाजपा



धरती आबा भगवान

**बिरसा मुंडा जी की**

पावन जन्म जयंती

जनजातीय गौरव दिवस

एवं झारखण्ड राज्य स्थापना दिवस

के शुभ अवसर पर भगवान बिरसा मुंडा  
की जन्म भूमि पुण्य धरा उलौहातू पधार रहे  
आदरणीय प्रधानमंत्री

**श्री नरेन्द्र मोदी जी का**

हार्दिक स्वागत, अभिनंदन!

**कुशवाहा डॉ शशिभूषण मेहता**

विधायक पांकी विधानसभा क्षेत्र

हेमंत सोरेन  
मुख्यमंत्री

झा. मु. मो.

शिवु सोरेन  
राज्यसभा सांसद

झारखंड राज्य स्थापना दिवस, धरती आबा भगवान  
बिरसा मुंडा की जयंती एवं लोक आस्था के  
महापर्व छठ के पावन अवसर पर समस्त  
झारखंडवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

आईये

हम सभी मिलकर हेमंत सरकार द्वारा चलायी  
जा रही लोक कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर  
उतारने का काम करें।

**वैद्यनाथ राम**

झामुमो विधायक लातेहार

# झारखंड के पर्यावरण पर गंभीर विमर्श हो



मनोज शर्मा

झारखंड राज्य का आज स्थापना दिवस है। खनिज संपदा के लिये हमारा राज्य चर्चा में रहता है लेकिन इन खनिज संपदा के दोहन के क्रम में लाखों वृक्ष कटते हैं, पर्यावरण का सत्यानाश होता है इससे होने वाले नुकसान की कभी चर्चा नहीं होती है।

धनबाद सबसे प्रदूषित शहरों में शुमार हो गया है। कोयला खदानों के उत्खनन के बाद की स्थिति क्या है? उन क्षेत्रों के ग्रामीणों की स्थिति खराब है। वे जल संकट से लेकर भीषण सांसे की बीमारी और कठिनाई के बीच जीने को विवश है। जब बात होती भी है तो सिर्फ रॉयल्टी कोलेक्टर। सिडनी जैसे विकसित शहर में नल खुले रखने पर जुर्माना की बात करना एक और खतरनाक संकेत दे रहा है। अमेरिका के 'हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टिट्यूट' की रिपोर्ट के अनुसार भारत में वायु प्रदूषण के कारण 2017 में 12 लाख लोग मारे गए। वर्तमान में वायु प्रदूषण के उच्च स्तर के कारण दक्षिण एशिया में बच्चों की औसत जीवन प्रत्याशा में ढाई साल की कमी आणी, जबकि नियंत्रण जीवन प्रत्याशा में 20 महीने की कमी आणी। ये सारी बातें एक बार फिर इसलिए चर्चा के केंद्रबिंदु में हैं क्योंकि हाल ही में विविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने देशभर के विविद्यालयों में अनिवार्य रूप से पर्यावरण विषय को पढ़ाने को कहा है। यूजीसी का यह फैसला स्वागतयोग्य है, मगर अभी भी यह निर्णय कई बिंदुओं पर अधूरा है। प्रदूषण की मार का नियंत्रण तौर पर हर आम और खास किस तरह सामना कर रहे हैं, यह सबके सामने है। सो सिर्फ रूटीन पढ़ाई करके आप पर्यावरण को बेहतर नहीं बना सकते हैं। इसके लिए पढ़ाई के तौर-तरीकों को बदलना होगा। उसके आयामों को 360 डिग्री बदलने की जरूरत है। इसके लिए सालों पुराने



पाठ्यक्रम को नये कलेवर में लाना होगा। हमारे देश में यह कमी है कि हम अपने कोर्स में जल्दी-जल्दी बदलाव नहीं करते हैं, जबकि हमारी सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरणीय और प्रशासकीय समस्याएं गतिशील हैं। हमें इस जड़ता को खत्म करना होगा। विदेशों में सालों-साल तक चलने वाले कोर्स का कोई अस्तित्व ही नहीं है। वहां तो हर साल विषयों के कोर्स में बदलाव किए जाते हैं। वहां सेशन शुरू होने के पहले ही संक्षेप में बता दिया जाता है कि इस साल क्या-क्या पढ़ाया जाएगा? इसके उलट हमारे यहां 15 साल 20 साल पुराने कोर्स अभी भी पढ़ाए जाते हैं। कई कोर्स तो इतने पुराने हो गए हैं कि अब उनकी

वर्तमान समय में कोई प्रासंगिकता नहीं रह गई है। इसे समझने की आवश्यकता है। लेकिन यह है कि गैर महत्वपूर्ण पाठ्यक्रम को खत्म करना होगा। कुल मिलाकर नये पाठ्यक्रम के लिए लचीला रख अपना होगा। यह कहा जा सकता है कि प्रकृति की सुरक्षा के लिए युवा और छात्रों की भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। नई पीढ़ी को बेरियत से बाहर निकालना समय की मांग है। अगर इसमें व्यापक तौर पर तब्दीली नहीं लाई गई तो पठन-पाठन के जरिये बदलाव की उम्मीद करना बेमानी होगी। पिछले कई साल से यूजीसी विविद्यालयों-शिक्षण संस्थानों-कॉलेजों को पत्र लिखकर सर्वोच्च न्यायालय के

आदेश का पालन करने हुए अंडर ग्रेजुएट स्तर पर पर्यावरण विज्ञान विषय को अनिवार्य रूप से पढ़ाने के आदेश दिए गए, लेकिन बताया जाता है कि देशभर के कुल 706 विविद्यालयों में से 306 विविद्यालयों ने इस विषय को अभी तक शुरू नहीं किया है। शैक्षणिक स्तर पर यह लापरवाही चिंता के साथ-साथ निराशा का माहौल भी पैदा करती है। ऐसा नहीं होना चाहिए। ऐसा भी देखा गया है कि कई विविद्यालयों-संस्थानों ने पर्यावरण विज्ञान विषय शुरू तो किया है, मगर वह मनमाने तरीके से इस विषय को पढ़ा रहे हैं। जबकि यूजीसी ने कहा है कि पर्यावरण अध्ययन पर मांड्यूल को पढ़ाने का काम उन शिक्षकों को सौंपने की जरूरत है, जो यूजीसी द्वारा निर्धारित योग्यताएं पूरी करते हैं। पर्यावरण विज्ञान विषय को पढ़ाने के लिए उसी विषय में उच्च उपाधि प्राप्त शिक्षकों की नियुक्ति करना अपेक्षित है, लेकिन यह विषय दूसरे विषयों के स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त शिक्षकों से पढ़ाया जा रहा है, जिसके चलते पर्यावरण विज्ञान के उच्च उपाधि प्राप्त उम्मीदवार बेरोजगारी होकर भटक रहे हैं। कहने का तात्पर्य है कि शिक्षा से जुड़े नीतिकार और विशेषज्ञों को यह दायित्व समझना होगा और जिम्मेदारी के साथ देश की बेहतरी के लिए भविष्य के बेहतरीन छात्र तैयार करने होंगे। इसको हमारी दिन-प्रतिदिन की जो समस्या है, उससे जोड़ना होगा, कनेक्टिविटी बढ़ानी होगी।

एक और अहम मुद्दा यह है कि पर्यावरण या प्रदूषण की समस्या को हमें स्वस्थ से जोड़ना होगा। जब तक प्रदूषण के दुष्परिणामों की जानकारी जनता को नहीं होगी, तब तक उसमें बेहतर की गुंजाइश नहीं के बराबर होगी। हम अक्सर देखते हैं कि किडनी/लीवर आदि गंभीर बीमारियां प्रदूषण और खराब पानी और खानपान की वजह से होती हैं। अगर प्रदूषण के बारे में लोग जागरूक होंगे तो तस्वीर निश्चित तौर पर बदल सकती है। पराली जलाने, जंगलों की अंधाधुंध कटाई के दुष्परिणामों को जनता को बताने की जरूरत है।

## सभी समझें और जाने श्री चित्रगुप्त भगवान को



डॉ. प्रणव कुमार बट्ट,

(अधिवक्ता, भाजपा नेता एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, एबीकेएम हैं।)  
बहुत बड़ी गलतफहमी है कि भगवान श्री चित्रगुप्त जी महाराज केवल कायस्थों के आराध्य हैं, जो भी सनातन धर्म और इसके मर्म को समझता है। वह अच्छी तरह से जानता है कि व्यावहारिकता की मजबूत जमीन पर श्री चित्रगुप्त जी महाराज सभी के भगवान हैं। वे किसी से कोई भेदभाव नहीं करते इसलिये लोग चाहे किसी भी जाति, समाज या समुदाय से सम्बन्ध रखते हों पर सभी की यह जिम्मेदारी है कि वह जाति के बंधन को तोड़कर इस बात को समझें और मानें भी कि भगवान श्री चित्रगुप्त जी हर काल के प्रेरणा पुंज थे, हैं और रहेंगे। श्री धर्मराजस्य चित्रगुप्तः शुभंकरः

पायान्मां सर्वपापेभ्यः शरणागत वत्सलः॥  
एक बार युधिष्ठिरजी, भीष्मजी से बोले कि हे पितामह! आपकी कृपा से मैंने धर्मशास्त्र सुना परंतु यम द्वितीया का क्या पुण्य है? क्या फल है? यह मैं सुनना चाहता हूं। अतः आप कृपा करके मुझे विस्तारपूर्वक कहिये। तब भीष्मजी बोले कि तुने सर्वश्रेष्ठ बात पृच्छी। मैं उसी उत्तम व्रत को विस्तारपूर्वक बताता हूं। कार्तिक मास के उजले और चैत्र के अंधेरे की पक्ष जो द्वितीया होती है वह यम द्वितीया कहलाती है। तब, युधिष्ठिर जी बोले कि उस कार्तिक के उजले पक्ष की द्वितीया में किसका पूजन करना चाहिए और चैत्र महीने में यह व्रत कैसे हो? इसमें किसका पूजन करें?

श्री ब्रह्मा जी ने मुख से ब्राह्मणों को, बाहुओं से क्षत्रियों को, जंघाओं से वैश्यों को और पैरों से शूद्रों को उत्पन्न किया। उनके पीछे देव, गंधर्व, दानव, राक्षस, सर्प, नाग, जल के जीव, स्थल के जीव, नदी, पर्वत और वृक्ष आदि को पैदा कर मनुजी को पैदा किया। इसके बाद दक्ष प्रजापतिजी को पैदा किया और तब उनसे आगे और सृष्टि उत्पन्न करने को कहा। दक्ष प्रजापतिजी से साठ कन्याएं उत्पन्न हुईं जिनमें से दस धर्मराज को, तेरह कश्यप को और सताईस चन्द्रमा को दी। कश्यपजी से देव, दानव, राक्षस इनके सिवाय और भी गंधर्व, पिशाच, गो और पक्षियों की जातियां पैदा हुईं।

ब्रह्मा जी की आज्ञा सुनने के पात्रता बुद्धिमान धर्मराज ने हाथ जोड़कर सबसे परम-पूज्य ब्रह्मा जीको कहा कि हे प्रभु! मैं आपका सेवक निवेदन करता हूँ कि इस सारे जगत के कर्मों का विभागपूर्वक फल देने की जो आपने मुझे आज्ञा दी है, वह एक महान कर्म है। आपकी आज्ञा शिरोधार्य कर मैं यह काम करूंगा जिससे कि कताओं को फल मिलेगा परंतु पूरी सृष्टि में जीव और उन्के देह भी अनंत हैं। देशकाल ज्ञात-अज्ञात आदि भेदों से कर्म भी अनंत हैं। उनमें कर्ता ने कितने किये, कितने भोगे और कितने शेष हैं और कैसा उनका भोग है तथा इन कर्मों के भी मुख्य व गौण भेद से अनेक हो जाते हैं तो उसे कर्ता ने कैसे किया? स्वयं किया या दूसरे की प्रेरणा से किया आदि कर्म चक्र बहुत ही विस्तृत हैं। अतः मैं अकेला किस प्रकार इस भार को उठा सकूंगा? इसलिये मुझे कोई ऐसा सहायक प्रदान दीजिये, जो धार्मिक, न्यायी, बुद्धिमान, शीघ्र कर्मकारी, लेख कर्म में विशेषज्ञ, चमत्कारी, तपस्वी, ब्रह्मनिष्ठ और वेद शास्त्र का ज्ञाता हो। धर्मराज के इस प्रकार प्रार्थनापूर्वक किए हुए कथन को विधाता सत्य जान मन में प्रसन्न हुए और यमराज का मनोरथ पूर्ण करने की चिंता करने लगे कि उक्त सब गुणों वाला ज्ञानी लेखक पुरुष अवश्य होना चाहिये। उसके बिना धर्मराज का मनोरथ पूर्ण न होगा। तब ब्रह्मा जी ने कहा कि हे धर्मराज! तुम्हारे अधिकार में मैं सहायता करूंगा। उसी अवस्था में उन्होंने ग्यारह सौ वर्ष तक तपस्या की। जब समाधि खुली तब अपने सामने श्याम रंग, कमल नयन, शंख जैसी गर्दन, गुड़ सिर, चन्द्रमा के समान मुख वाले, कलम-दवात और पानी हाथ में लिए हुए, महाबुद्धि, देवताओं का मान बढ़ानेवाले, धर्माधर्म के विचार में महाप्रवीण लेखक, कर्म में महाचतुर पुरुष को देख उससे पूछा कि तू कौन है? तब उस युवक ने कहा कि हे प्रभु! मैं माता-पिता को तो नहीं जानता किंतु आपके शरीर से प्रकट हुआ हूँ इसलिए मेरा नामकरण कीजिए और कहिये कि मैं क्या करूँ? तब श्री ब्रह्माजी ने कहा- तू मेरी काया से प्रकट हुआ है इससे मेरी काया में तुम्हारी स्थिति है। इसलिये तुम्हारा नाम कायस्थ है।

## झारखंड के विकास के लिये शिक्षा के प्रसार पर अधिक से अधिक जोर हो



अनुष्का चौधरी

झारखंड का निर्माण देश के विकास और राज्य के विकसित होने के उद्देश्य से किया गया। राज्य के संसाधनों पर बिहार का अधिकार था और झारखंड क्षेत्र इस कारण उपेक्षा का शिकार था। आज आवश्यकता राज्य में अधिक से अधिक मेडिकल, इंजीनियरिंग प्रबंधन और माध्यमिक और प्राथमिक स्तर पर बेहतर स्कूलों की स्थापना की जाए। आईआईएम की स्थापना भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा भारत के योजना आयोग की सिफारिश के आधार पर शुरू की गई थी। भारत में कुल 20 आईआईएम हैं, जो की देश के हर कोने में स्थित हैं। आईआईएम अहमदाबाद, बंगलुरु, कलकत्ता सबसे पुराने हैं।

15 दिसंबर, 2009 में रांची, झारखंड में भी आईआईएम की स्थापना हुई। आईआईएम रांची उन छह नए आईआईएम में से एक है जिन्हें 27 अगस्त 2009 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मंजूरी दी गई थी। एम.जे. जेवियर संस्थान के संस्थापक निदेशक थे। आज लगभग 14 साल बाद, आईआईएम रांची ने दुनिया भर में अपनी पहचान छोड़ी है। और ऐसी ही पहचान छोड़ी है रांची को बेटी ने। डीएवी गांधीनगर से बारहवीं उत्तीर्ण की और अब आईआईएम कोझिकोड में दाखिला हुआ। भारतीय प्रबंधन संस्थान कोझिकोड केरल के कालीकट (कोझिकोड) में स्थित एक स्वायत्त सार्वजनिक बिजनेस स्कूल है। भारत सरकार द्वारा केरल राज्य सरकार के सहयोग से 1996 में स्थापित यह संस्थान 20 भारतीय प्रबंधन संस्थानों (आईआईएम) में से एक है। यह स्थापित होने वाला पांचवां ककट था। सभी

आईआईएम प्रबंधन में दो साल का पूर्णकालिक स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) प्रदान करते हैं, जो मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) की डिग्री के बराबर है। इस कार्यक्रम को आईआईएम का प्रमुख कार्यक्रम माना जाता है, और सफल उम्मीदवारों को मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) का पुरस्कार दिया जाता है। आईआईएम भारत के सबसे मुश्किल परीक्षाओं में से एक है और यहां पढ़ना कई छात्रों का सपना है। तो आइए बात करते हैं कि यहां प्रवेश लेने के लिए क्या प्रक्रिया है -1)) पहला चरण आईआईएम द्वारा आयोजित कॉमन एप्टीट्यूड टेस्ट या कैंट परीक्षा के लिए उपस्थित होना है2) आवश्यक कट-ऑफ और समग्र स्कोर को पार करने के बाद, उम्मीदवार को लिखित परीक्षा/समूह चर्चा और व्यक्तिगत साक्षात्कार (पीआई) के लिए बुलाया जाता है।

3) प्रत्येक श्रेणी में उम्मीदवारों के लिए प्रवेश की अंतिम पेशकश अंतिम समग्र स्कोर के आधार पर की जाएगी, जिसमें कार्य अनुभव, लिंग, स्कूल बोर्ड (एमबीए) की डिग्री को ध्यान में रखा जाएगा देश में आशा की एक किण्व सामने आती है क्योंकि शिक्षा ही वो रास्ता है जिससे गरीबी और बेरोजगारी दूर हो सकती है। शिक्षा का स्तर जितना अधिक होगा, विकास की संभावना उतनी ही बेहतर होगी। शिक्षा केवल गरीबी मिटाने में नहीं, आत्मविश्वास बढ़ाने में भी मददवार है। आज भारत देश विकासशील देश माना जाता है और यह हुआ है केवल शिक्षा से। देश भर में नई नई तकनीकियां आ गई हैं जिसकी शायद हमने सालों पहले कल्पना भी नहीं की होगी - एटीएम, मेट्रो, ऑनलाइन पेमेंट के ऐप जैसे जीपे, पेटोएम आदि। प्रौद्योगिकी स्कूलों में अधिक प्रचलित हो रही है और

एक अद्यतन शैक्षिक प्रणाली का मार्ग प्रशस्त कर रही है। प्रौद्योगिकी ने हमारे सीखने, संचार करने और सूचना संसाधित करने के तरीके को बदल दिया है। इसने सीखने को अधिक इंटरैक्टिव और आकर्षक बना दिया है, और सहयोग और ज्ञान साझा करने की नई संभावनाएं खोली हैं। ऑनलाइन संसाधनों और उपकरणों तक पहुंच प्रदान करने से लेकर छात्रों और शिक्षकों के बीच संचार और सहयोग को सुविधाजनक बनाने तक, शिक्षण और सीखने में सहायता के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है। इसका उपयोग आकर्षक और इंटरैक्टिव शिक्षण अनुभव बनाने के लिए भी किया जा सकता है। ये सब संभव हुआ है शिक्षा के माध्यम से। शिक्षा किसी भी देश के प्रगति के लिए बहुत जरूरी है। शिक्षा बेहतर रोजगार के अवसरों की प्रवृत्ति बढ़ाती है।

## महिलाओं की उचित भागादारी के लिये सजग रहें: शिल्पी नेहा तिकी

उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची का दो दिवसीय वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि शिल्पी नेहा तिकी ने छात्राओं को संबोधित मांडर की विधाक किया। शिल्पी नेहा तिकी ने कहा कि देश में 35 लाख लड़कियां स्नातक की परीक्षा पास कर रही हैं जो लड़कों से अधिक हैं लेकिन विधायिका, न्याय पालिका और ब्यूरोक्रेट के बीच उनकी संख्या न्यूनतम है जो चिंता का विषय है। श्री मती तिकी ने कहा कि देश के विकास में महिलाओं के योगदान को नकारा नहीं जा सकता है। इस अवसर पर विशाट अतिथि पूर्व शिक्षा

मंत्री बंधु तिकी ने कहा आज के छात्रों को अपने माता-पिता की बात माननी चाहिए और अपने कठिनाइयों से अवश्य लड़ना चाहिए। बैंक के अधिकारी की नौकरी छोड़ने और राजनीति में आने और शिक्षा मंत्री के पद पाने तक की अपनी संघर्ष यात्रा का उल्लेख करते हुए उन्होंने छात्राओं से अपील की कि कड़ी मेहनत से कभी भी भागना नहीं चाहिए। कार्यक्रम के उद्देश्य पर बोलते हुए उर्सुलाइन इंटर कॉलेज की प्राचार्या डॉ मीरी ग्रेस ने कहा कि स्कूल की छात्राओं ने लगातार बेहतर प्रदर्शन किया है और इस प्रदर्शन के लिये वे शिक्षकों

सहित पूरे उर्सुलाइन परिवार की आभारी है। उन्होंने बताया कि राजा उलात उर्सुलाइन इंटर कॉलेज में भी छात्राओं की संख्या लगातार बढ़ रही है। हमारे उस शाखा के छात्रों में भी आत्मविश्वास बढ़ा है। स्कूल के प्रांगण में सभागार में छात्रों के व्यक्तित्व विकास के लिये नियमित कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। इस अवसर पर उर्सुलाइन राजा उलात इंटर कॉलेज की छात्राओं ने सात पूर्वी राज्यों का नृत्य प्रस्तुत किया जो उपस्थित जन समूह द्वारा सराहा गया। कार्यक्रम में कॉलेज की छात्राओं ने एक से

बादकर एक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। दो दिवसीय वार्षिक उत्सव के पहले दिन इसरो के वैज्ञानिकों की सफलता पर भी एक भावपूर्ण कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। साथ ही योग के महत्व को दर्शाते हुए भव्य कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। छात्रों और अभिभावकों की महत्वकांक्षा से उपजी समस्या को उल्लेखित करते हुए एक लघु नाटक भी प्रस्तुत किया गया जिसमें अभिभावक ने खेल प्रिये अपने बेटे को जबरन आइआईटी में पास करने का दबाव बनाया और उसने दबाव न सहने की स्थिति के कारण आत्महत्या जैसे कदम उठा लिये। छात्रों और शिक्षिकाओं ने भी कई लघु हास्य

नाटिका प्रस्तुत कर उपस्थित जन समूह का मन मोह लिया। झारखंड का अपना महत्व है और झारखंड की आदिवासियों की जीवन शैली और सहजता से संबंधित नृत्य नाटिका का आकर्षक प्रस्तुति भी पेश की गयी। इस अवसर मोटिवेटर दीपक किंडो ने भी छात्राओं को प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि कागज की नोट और सादे कागज का महत्व समझें। उन्होंने कहा कि कागज की नोट चाहे जिस स्थिति में रहे उसमें कोई अंतर नहीं पड़ता है। कार्यक्रम में मोटिवेटर काउंसलर एनके मुरलीधर ने कहा कि छात्र जीवन ही मर्यादा और अनुशासन का जीवन है जिसकी आदत बेहतर

स्कूल उर्सुलाइन इंटर कॉलेज में लग जाती है। यह आदत पूरे जिंदगी आपको काम करने में मदद करती है। अपने शिक्षकों का सम्मान और आप ऐसा बनें कि आपको देखकर लगे कि आप उर्सुलाइन इंटर कॉलेज की छात्रा हैं। यहां तक की आपक परिजनों की आदतों में सुधार हो जाए। संजय सर द्वारा निर्देशित नाटक की चर्चा करते हुए श्री मुरलीधर ने किया उर्सुलाइन के राम, सीता और हुनमान को हम मर्यादा मानकर प्रणाम करते हैं। जीवन में मर्यादा का महत्व है। दो दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन का अंत राष्ट्रगान से किया गया।







## स्पीड न्यूज

## सॉस जमुनियाखांड में युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

चंदवा। थाना क्षेत्र के सांसंग पंचायत अंतर्गत सुदूरवती ग्राम सॉस जमुनीयाखांड में घरेलू कलह से अजीज होकर 20 वर्षीय सत्येंद्र सिंह युवक नामक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना के बाद मंगलवार की सुबह लगभग 10 बजे चंदवा पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के सम्बंध में ग्रामीण सूत्रों ने बताया कि विजय सिंह का पुत्र सत्येंद्र सिंह का कुछ दिनों पूर्व से प्रेम प्रसंग चल रहा था, जिसको लेकर परिवारिक कलह से वह परेशान था। मंगलवार की अहले सुबह परिजनो ने उसका शव घर में ही फांसी के फंदे पर झूला देखा, आनन-फानन में परिजनों ने सत्येंद्र सिंह फंदे से उतारा लेकर तब तक काफी देर हो चुकी थी। मामले को लेकर परिजनों ने चंदवा थाना में लिखित सूचना दी है।

## बाइक और टैपो की हुई टक्कर में तीन घायल

बालुमाथ। एकीकृत बालुमाथ प्रखंड क्षेत्र के बालुभांग ग्राम में मंगलवार को बाइक और टैपो में आमने-सामने टक्कर हो गयी। जिससे बाइक में सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों में कमलदत्त उराँव 32 वर्ष पिता जयराज उराँव, जलान उराँव 50 वर्ष पिता स्व. वृद्ध उराँव, चरका गंडु 55 वर्ष पिता भक्तु गंडु सभी ग्राम दुमरा बारियातु निवासी शामिल है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार उक्त तीनों घायल बाइक से दुमरा ग्राम से फुलसु जा रहे थे। इस दौरान बालुभांग ग्राम के पास तीखे मोड़ में टैपो से आमने-सामने टक्कर हो गयी। घटना के बाद स्थानीय लोगों के सहयोग से सभी घायलों को बालुमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां डॉक्टर सुरेंद्र कुमार के द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया।

## मासिक समीक्षात्मक बैठक संपन्न



बैठक करते लोग।

भवनाथपुर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवनाथपुर में प्रखंड लेखा प्रबंधक प्रदीप कुमार पाठक की अध्यक्षता में मासिक समीक्षात्मक बैठक की गई। बैठक में मलेरिया, टीबी, आरबीएसके, कुपोषण इत्यादि पर चर्चा किया गया। इस दौरान 15 नवंबर से 29 दिसंबर तक चलने वाले आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी कर्मचारियों को निर्देश दिया गया। 15 नवंबर से 21 नवंबर तक नवजात शिशु सप्ताह कार्यक्रम चलेगा। जिसमें सहिया के द्वारा नियमित गृह भ्रमण करके नवजात बच्चों का फॉलोअप किया जाएगा, जो बीमार बच्चे होंगे उन्हें एस्पनसीयू या एनबीएसयू में भेजा जाएगा। बैठक में डॉ. अभिषेक विश्वास, प्रदीप कुमार पाठक, अनूप कुमार, अरुण लकड़ा, मनोज पाठक, धर्मजीत राम, वायलेट इक्का, गुणेश्वर प्रसाद, डब्ल्यूएचओ मॉनिटर मंगल मिश्रा सहित सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

## नव पदस्थापित एसडीओ ने किया छठ घाट का निरीक्षण



निरीक्षण करते एसडीओ।

रंका। अनुमंडल मुख्यालय अंतर्गत लोहवा पुल के समीप छठ घाट में पिछले 10 वर्षों से लगातार छठ पूजा मनाया जाता रहा है। अनुमंडल पदाधिकारी रुद्र प्रताप ने छठ घाट के विधि व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीओ ने छठ पूजा स्थल का निरीक्षण किया एवं व्यवस्थापक कमिटी के सदस्यों से मुलाकात कर कार्यक्रम के बारे में जानकारी हासिल किया। उन्होंने व्यवस्थापक कमिटी सुर्योदय सेवा संस्थान के लोगों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। मौके पर बीडीओ देवानंद राम, सीओ शिवपूजन तिवारी, थाना प्रभारी शंकर प्रसाद कुशवाहा, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष आशीष कुमार गुप्ता, सुर्योदय सेवा संस्थान के अध्यक्ष अनिल राम, मुकेश मिश्रा, मृत्युंजय सिंह, गजाधर सिंह, शुभम मिश्रा, शंकर कुमार आदि लोग उपस्थित थे।

## चमातू ऑर्केस्ट्रा देखने जा रहे दो युवक मोटरसाइकल से गिरकर हुए घायल

बालुमाथ। बालुमाथ थाना क्षेत्र के चमातू ग्राम में लक्ष्मी पूजा के अवसर पर होने वाले रंगारंग कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे बरियातू थाना के चेटूवांग ग्राम निवासी विकास गंडु 35 वर्ष पिता अमृत गंडु, सुनील गंडु 20 वर्ष पिता चमरकु गंडु, घायल हो गया। आस-पास के ग्रामीणों के सहयोग से दोनों घायलों को बालुमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां चिकित्सक डॉक्टर अमरनाथ प्रसाद द्वारा विकास गंडु की स्थिति को गंभीर देखते हुए बेहतर इलाज हेतु रिम्स रेफर कर दिया। बताया जाता है कि एक मोटरसाइकिल में तीन लोग सवार होकर चेतुवांग से चमातू जा रहा था इसी बीच अमरवाडी ग्राम के समीप तेज रफ्तार होने के कारण असंतुलित होकर गिर गया।

वंशावली के लिए पूर्व से जो नियम है उसी के तहत किया जाए काम, अलग से ना करें नियम लागू : सुरेंद्र पासवान

## अंचलाधिकारी से मुलाकात कर भूमि अधिग्रहण संघर्ष समिति ने समस्याओं से कराया अवगत

► भूमि संबंधित कार्यों के लिए कर्मचारियों के द्वारा अवैध वसूली पर करें शिकायत निश्चित रूप से होगी कार्रवाई : सीओ

## खबर मन्त्र संवाददाता

मनिका। प्रखंड मुख्यालय में फोर लाइन सड़क निर्माण के लिए अधिग्रहित किए जा रहे भूमि के मुआवजे से संबंधित कार्यों में हो रहे समस्याओं को लेकर दिन मंगलवार को भूमि अधिग्रहण संघर्ष समिति मनिका



सीओ से मुलाकात करते समिति के लोग।

के अध्यक्ष सुरेंद्र पासवान की अध्यक्षता में समिति के सदस्यों ने अंचल कार्यालय मनिका पहुंचकर अंचलाधिकारी संतोष कुमार शुक्ला से

मुलाकात किया और मुआवजे से संबंधित भूमि के कागजातों में हो रही समस्याओं से उन्हें अवगत करवाया। वहीं समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र पासवान ने कहा कि अधिग्रहित किए जा रहे भूमि का सरल सुविधा के साथ रैयतों का भूमि स्वामित्व प्रमाण पत्र बनाया जाए एवं वंशावली के लिए पूर्व से जो नियम लागू है उसी के तहत वर्तमान में भी रैयतों का अंचल कार्यालय से वंशावली सत्यापित की जाए। उन्होंने कहा कि वंशावली बनवाने के लिए ग्राम प्रधान से सत्यापन करावाया जाता

है फिर इसमें खतियान का जरूरत नहीं होना चाहिए फोर लाइन निर्माण हेतु एनएच 39 द्वारा अधिग्रहण किए जा रहे भूमि के दस्तावेजों का निपटारा करना अति आवश्यक है। उन्होंने भूमि अधिग्रहण संबंधित कार्यों के लिए अंचल कार्यालय के कर्मचारियों के द्वारा रैयतों से अवैध पैसा की वसूली से भी अंचलाधिकारी को अवगत करवाया। वहीं उक्त मामले को जानने के बाद अंचलाधिकारी संतोष कुमार शुक्ला ने कहा कि भूमि संबंधित किसी भी प्रकार के कार्यों के लिए अगर कर्मचारियों के

द्वारा पैसा लिया जा रहा है तो हमें शिकायत करें निश्चित रूप से वैसे कर्मचारियों के ऊपर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने रैयतों के दस्तावेजों में हो रही समस्याओं का जल्द निपटारा करने का आश्वासन दिया। मौके पर बीस सूत्री प्रखंड अध्यक्ष विश्वनाथ पासवान, मीडिया प्रभारी मिथिलेश पासवान, विकास कुमार, अमरदीप पासवान, केश्वर पासवान, संजय पासवान, रामचंद्र पासवान, बालदेव पासवान, अनिल कुमार, समेत कई लोग उपस्थित थे।

## चौकीदार सदीक अंसारी हत्याकांड मामले में परिजनों से मिले मंत्री सत्यानंद भोक्ता



परिजनों से मुलाकात करते मंत्री सत्यानंद भोक्ता।

## खबर मन्त्र संवाददाता

चंदवा। सूबे के श्रम मंत्री सत्यानंद भोक्ता मंगलवार को एक दिवसीय दौरे पर चंदवा पहुंचे, जहां उन्होंने राजद नेताओं व कार्यकर्ताओं के साथ बहुचर्चित चौकीदार सदीक अंसारी हत्याकांड मामले को लेकर परिजनों में मुलाकात की व शोकाकुल परिवार को दार्दंड बंधाया। इस दौरान मंत्री श्री भोक्ता के परिजनों को आर्थिक मदद की साथ ही हत्याकांड में सलिलप दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर कड़ी

सजा दिलाने का भी भरोसा दिया। परिजनों को भरोसा देते हुए कहा कि घटना में सलिलप किसी भी अपराधी को बक्सा नहीं जाएगा, पुलिस काफी तीव्र गति से काम कर रही है। बता दें कि चंदवा थाना के चौकीदार सादिक अंसारी की बीते 7 नवम्बर के दिन अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। मुलाकात के दौरान मंत्री सत्यानंद भोक्ता के साथ राजद जिला अध्यक्ष रामप्रवेश यादव, सुरज यादव, अजित श्रीवास्तव, बबलू गिरी, नरेश यादव समेत कई लोग मौजूद थे।

## कैलान पंचायत में बड़े पैमाने पर हो रहा है अवैध पत्थरों का उत्खनन

## खबर मन्त्र संवाददाता

भवनाथपुर। प्रखंड के कैलान पंचायत में इन दिनों विकास एवं विनाश कार्य दोनों साथ साथ चल रही है। यहां सुरक्षित वन क्षेत्र में बड़े पैमाने पर अवैध पत्थरों का उत्खनन किया जा रहा है। जिस कारण एक ओर जहां हरे भरे जंगल नष्ट हो रहे हैं, वहीं दुसरी तरफ सरकार को लाखों रुपए के राखर का चुना लग रहा है। जंगलों से अवैध तरीके से हो रहे पत्थरों के उत्खनन में स्थानीय वन विभाग की मिली भगत से इनकार नहीं किया जा सकता है। कैलान के सुरक्षित वन प्रक्षेत्र से पत्थर माफिया पत्थरों का उत्खनन कर जंगल में तथा एलएनटी कम्पनी द्वारा निमाणांधीन पानी टंकी के समीप मुख्य मार्ग के किनारे बड़े पैमाने पर डंप किया गया है। इस कार्य में सलिलप लोगों द्वारा अवैध



अवैध पत्थर।

ढंग से तोड़े गए इन पत्थरों को क्षेत्र में हो रहे विभिन्न योजनाओं जैसे सड़क व गार्डवाल के संवेदकों के हाथों उंची कीमतों पर बेचा जा रहा है। पत्थर माफियाओं द्वारा अवैध पत्थरों के उत्खनन के चक्कर में पहाड़ व जंगल का अस्तित्व खत्म होने के कगार पर पहुंच गया है। माफियाओं ने जंगलों से पत्थर निकालने के क्रम में कई पेड़ों को भी नुकसान पहुंचाया है। जबकि सुरक्षित वन क्षेत्र के इन पहाड़ तथा जंगलों से पत्थर माफियाओं द्वारा अवैध ढंग से पत्थरों का उत्खनन

किये जाने की जानकारी वन विभाग को होने और देखने के बाद भी स्थानीय वन विभाग के कर्मी आंख बंद किये हुए हैं, जिससे इनकी सलिलपता उजागर हो रही है। इस संबंध में पूछने पर कैलान के वनरक्षी दयाशंकर सिंह ने कहा कि जंगलों से अवैध ढंग से पत्थर तोड़े जाने की जानकारी मिली है। मामले की जांचपरत इस अवैध कार्य में लिप्त दोषियों को चिन्हित करते हुए उनके विरुद्ध वन अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई जायेगी।

## सीओ व बीडीओ ने लिया देवनद छठ घाट का जायजा

## खबर मन्त्र संवाददाता

चंदवा। लोक आस्था के महापर्व के दौरान छठ घाटों पर विधि व्यवस्था को दुरुस्त करने को लेकर मंगलवार की दोपहर बाद अंचलाधिकारी जयशंकर पाठक व बीडीओ विजय कुमार ने छठ पूजा की तैयारी के जायजा को लेकर देवनद घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान हिंडालको की पहल पर घाट का इम्पत कार्य भी जारी था। अधिकारी द्वारा देवनद के दोनों घाट का निरीक्षण किया गया। उपस्थित युवा भारत के कार्यकर्ताओं व समिति के लोगों से सुरक्षा संबंधी

मानकों की जानकारी प्राप्त की। अंचलाधिकारी श्री पाठक ने घाट में पानी की गहराई, घाट परिसर में विद्युत प्रवाहित नंगे तार समेत अन्य सुरक्षा संबंधी जानकारी ली। युवा भारत के आदर्श रवि राज ने मेन रोड समेत शाखा पथों में कई स्थानों पर सड़क पर रखे गृह निर्माण सामग्री को हटवाने को लेकर अधिकारियों से पहल की मांग की। समिति के संजीव आजाद व चंद्रभूषण केसरी समेत अन्य लोगों ने छठ पूजा के दिन ट्रैफिक व्यवस्था पर संजीदगी से कार्य करने की मांग अधिकारियों से की ताकि वृत्तियों व श्रद्धालुओं को पैदल चलने में परेशानी ना हो।

## जैव विविधता प्रबंधन समिति का एकदिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

## खबर मन्त्र संवाददाता

बारियातू। प्रखंड के सभी नौ पंचायतों के जैव विविधता प्रबंधन समिति सदस्यों की एक दिवसीय प्रशिक्षण टोटी व बारियातू पंचायत भवन परिसर में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण टोटी पंचायत भवन में सिबला, गौनिया, अमरवाडीह व टोटी पंचायत के सभी सात सदस्यी टीमो को जैव विविधता के सम्बन्ध में प्रशिक्षक अनुप तिवारी ने प्रशिक्षण के माध्यम से स्थानीय वनपाल एवं कमिटी के अध्यक्ष के साथ जीरो बैलेंस में संयुक्त बैंक खाता खोलवाने, अपने-अपने पंचायत के



प्रशिक्षण में शामिल लोग।

सम्बंधित मुखिया से मिलकर पंचायत भवन में जैव विविधता कार्यालय का आर्वाटन करवाने, किसी भी पंचायत के कमिटी की मृत्यु हो गई

हो या काम करने में असमर्थता जताने पर नियम संगत कमिटी का पुर्नगठन सहित जैव विविधता के सम्बन्ध में कई अहम जानकारी दिया। इधर बारियातू पंचायत सचिवालय में बालुभांग, फूलसु, डाडा, साल्वे व बारियातू पंचायत सदस्यों को बीएमसी को प्रशिक्षण के माध्यम से प्रशिक्षक प्रेमतोष पाण्डेय ने कार्य कैसे करना है मौखिक व वीडियो दिखाकर जानकारी दिया। मौके के केदार गंडु, तिलक मांडी, बैजू लोहरा, राजन यादव, संदीप कुमार, प्रकाश यादव, पारो देवी, सुभाष प्रजापति, रामप्रीत लोहरा सहित अन्य अध्यक्ष सचिव व सदस्य उपस्थित थे।

## सड़क पर उड़ रही धूल से राहगीर परेशान, धूल फांकने को विवश

► संवेदक से सड़कों पर नहीं पटाया जा रहा है पानी

## खबर मन्त्र संवाददाता

लातेहार। पानी टंकी से पाण्डेयपुरा होते हुए पतरातू जाने वाली मुख्य मार्ग में आवागमन करना अब आसान काम नहीं है। सड़क पर उड़ रही धूल से लोगों का चलना मुश्किल हो गया है। लोग पहले जर्जर सड़क और गड्ढे से परेशान थे। लेकिन अब उड़ती धूल का भी सामना करना पड़ रहा है। इन दिनों पानीटंकी से पाण्डेयपुरा होते हुए पतरातू मार्ग का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण का कार्य किया जा रहा था। लेकिन सड़क में मिट्टी डालकर छोड़ दिया गया है। बता दे की सड़क का निर्माण कार्य वास्तविक इंटरप्राइजेज गढ़वा के द्वारा रवोंगों की सुविधा के लिए किया जा रहा है। लेकिन संवेदक की लापरवाही से गाड़ी चलते ही



उड़ता धूलकण।

धूल का घना गुबार उड़ता है, जो राहगीरों के लिए जी का जंगल बन गया है। क्षेत्र में दिनभर धूल और मिट्टी से स्कूल आने जाने वाले बच्चे, कर्मचारी, आम जनता, सड़क किनारे स्थित दुकान व घर के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इस कारण लोग खांसी, दमा की मरीज हो गए हैं। लेकिन वास्तविक इंटरप्राइजेज के संवेदक को कोई परवाह संवेदक की लापरवाही से गाड़ी चलते ही

है। मार्ग पर धूल उड़ने से राहगीर परेशान हैं। लोगों की यात्रा में धूल बाधक बन रही है। उड़ती धूल राहगीर की आंखों में पड़ जा रही है। धूल के कारण लोग गिरकर चोटिल भी हो रहे हैं। इतना सब देखकर भी संवेदक आंखें बंद कर सोए हुए हैं।

सड़क मार्ग का चौड़ीकरण व सुदृढ़ीकरण का चल रहा है कार्य बता दे की सड़क मार्ग का चौड़ीकरण

व सुदृढ़ीकरण का कार्य चल रहा था। चौड़ीकरण कार्य में मिट्टी डालकर उसे जेसीबी मशीन से अच्छी तरह से प्लेन नहीं करने के कारण एवं पानी न डाले जाने से धूल उड़ रही है, लेकिन 15 दिन पूर्व ही संवेदक कार्य छोड़कर छुट्टी मनाते चले गए हैं। जिससे यात्रियों की समस्याएं बढ़ गई हैं। राहगीरों को सबसे ज्यादा दिक्कत तब होती है जब बड़े वाहन गुजरते हैं। बड़े वाहनों के पीछे चल रहे लोगों को धूल से कुछ दिखाई नहीं देता है। इससे सामने से आने वाले लोग भी स्पष्ट नहीं दिखाई पड़ते। धूल के चलते लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं। दोपहिया, साइकिल व पैदल चल रहे लोगों के लिए हो रही है परेशानी। इन लोगों की आंखों में धूल के कण चले जा रहे हैं, जिससे दिखाई देने में समस्या हो रही है। कुछ लोगों को सांस लेने में भी दिक्कत आ रही है। इसी रास्ते से स्कूली बच्चे भी आते जाते हैं।

## महापर्व छठ पूजा को लेकर विभिन्न छठ घाटों पर चला सफाई अभियान



## खबर मन्त्र संवाददाता

धुरकी। लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा को लेकर सगमा प्रखंड के विभिन्न छठ घाटों पर धुरकी पुलिस तथा ग्रामीणों ने सफाई अभियान चलाया। मौके पर थाना प्रभारी संतोष कुमार ने बताया कि पुलिस प्रशासन आपके साथ सदैव मौजूद रहेगी। महापर्व को शांति व्यवस्था कायम कर मनाएँ। उन्होंने यह भी बताया कि बीरबल सूर्य मंदिर के पास छठ घाट पर छठ व्रत धारी की किसी

प्रकार दिक्कत ना हो इसके लिए बीरबल छठ घाट सहित प्रखंड के विभिन्न छठ घाटों पर पुलिस बल की गस्ती रहेगी। उन्होंने यह भी बताया कि छठ व्रत धारी के लिए थाना परिसर में उनके लिए प्रसाद वितरण भी किया जाएगा, क्योंकि यह पर्व दान पुण्य तथा भिक्षा मांग कर मनाने की परंपरा है। मौके पर पूर्व जिला प्रमुख सदस्य नंद गोपाल यादव, प्रखंड प्रमुख अजय साह, मुखिया इंद्रजीत कुशवाहा सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

